

निर्देश :- सभी प्रश्नों के अंक समान हैं एवं किसी भी प्रश्न के असत्य उत्तर के लिए ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं है।

- (1) प्रकृतिस्थेषु भूतेषु वैद्यवृत्तिः चतुर्विधा। – उपरोक्त सूत्र में 'प्रकृतिस्थेषु' का क्या अर्थ है। (च. सू. 9/26)
- (अ) आरोग्य
(ब) मरण भाव
(स) चिकित्सा
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (2) सुश्रुतानुसार आमाशयगत वात में 'षडधरण योग' का प्रयोग कितनी समयावधि तक करना चाहिए। (सु. चि. 4/3)
- (अ) सप्त दिन
(ब) सप्त रात्रि
(स) एक पक्ष
(द) एक माह
- (3) 'अरिष्ट' किसका पर्याय है ?
- (अ) निम्ब
(ब) अरिष्टक
(स) वत्सनाभ
(द) कुचला
- (4) 'तिन्दुक' किसका पर्याय है ?
- (अ) कर्ष
(ब) पल
(स) शाण
(द) शुक्ति
- (5) उग्रगंध युक्त पुराण घृत कितने वर्ष पुराना बतलाया गया है। (च. चि. 9/60)
- (अ) 1 वर्ष
(ब) 10 वर्ष
(स) 100 वर्ष
(द) 100 से अधिक वर्ष
- (6) दार्वीक्वाथसमं क्षीरं पादपक्वं यदा घनम्। तदा रसान्जनं ख्यातं तन्नेत्रयोः परमं हितम्।। – किसका कथन है।
- (अ) रस रत्न समुच्चय
(ब) रस तरंगिणी
(स) आयुर्वेद प्रकाश
(द) रसकाम धेनु
- (7) 'फेनोऽतिमात्रं' किसका लक्षण है। (सु. चि. 31/13)
- (अ) घृतपाक
(ब) तैलपाक
(स) संधान कल्पना
(द) अवलेह सिद्धि

1. B	2. B	3. A	4. A	5. B	6. C	7. B
------	------	------	------	------	------	------

- (8) 'सप्तदश लिंगम्' सूक्ष्म शरीर किसने वतलाया है।
(अ) कणाद
(ब) कपिल
(स) जैमिनी
(द) वेदव्यास
- (9) चरकानुसार देवताडक के कल्प योग हैं ? (च. क. 2/3)
(अ) 60
(ब) 18
(स) 45
(द) 39
- (10) 'दुन्दुभि' के द्वारा फैलता हैं ? (सु. क. 6/4)
(अ) विष
(ब) अगद
(स) वायु
(द) रोग
- (11) जल शीतलीकरण की विधियाँ किसने बताई है। (सु. सू. 45/19)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) अष्टांग हृदय
(द) अष्टांग संग्रह
- (12) 'गौरदण्ड' किसका पर्याय है ?
(अ) चक्रमर्द
(ब) गुन्जा
(स) अपामार्ग
(द) अर्जुन
- (13) द्रव्यादापोत्थितात्तोये तत्पुनर्निशि संस्थितात्। कषायो योऽभिनिर्याति स समुदाहृतः।। (च. सू. 4/6)
(अ) शीतः
(ब) फाण्टं
(स) श्रुतं
(द) हिमः
- (14) कर्पूरगंधि शिलाजतु क्या है ?
(अ) Black Bitumen
(ब) Potassium Nitrate
(स) Mineral pitch
(द) Iron Pyrite

8. A	9. D	10. B	11. B	12. C	13. A	14. B
------	------	-------	-------	-------	-------	-------

- (15) 'पुष्पांजन' से क्या अर्थ ग्रहण करना चाहिए ?
(अ) Antimony sulphide (Sb_2S_3)
(ब) Lead sulphide (PbS)
(स) Lead oxide (PbO)
(द) Zinc oxide (ZnO)
- (16) काश्यप के अनुसार मूक, पंगु और जड बालकों में कौनसा घृत प्रयोग करते हैं ? (का. सू. 1 लेहाध्याय)
(अ) कल्याणक घृत
(ब) पंचेन्द्रिय घृत
(स) अभय घृत
(द) संवर्धन घृत
- (17) 'कोकिला गुटिका' का प्रयोग किस रोग में बताया गया है ? (का. चि. 13 ककूणक चिकित्सा)
(अ) अक्षिरोग
(ब) कर्णरोग
(स) मुखरोग
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (18) सुश्रुतानुसार क्षीर विष की संख्या हैं ? (सु. क. 2/5)
(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) 5
- (19) 'ग्रीवास्तम्भ' किस विष के सेवन का लक्षण है। (सु. क. 2/12)
(अ) वत्सनाभ
(ब) कालकूट
(स) मुस्तक
(द) शृगीविष
- (20) बालचिकित्सा में गर्भोपक्रम विज्ञान, सूतिकोपक्रम एवं बालरोग शमन का समावेश कौनसे आचार्य ने किया है।
(अ) काश्यप
(ब) चरक
(स) हारीत
(द) सुश्रुत
- (21) स्नेहार्थ आश्चयोतन की मात्रा होती है ? (सु. उ. 18/46)
(अ) 6 बूँद
(ब) 8 बूँद
(स) 10 बूँद
(द) 12 बूँद

15. D	16. D	17. A	18. B	19. A	20. C	21. C
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (22) 'अन्यतोवात' है ? (सु. उ. 6/27)
(अ) नेत्ररोग
(ब) नासारोग
(स) कर्णरोग
(द) शिरोरोग
- (23) सुश्रुतानुसार 'दीप्त' है। (सु. उ. 23/8)
(अ) नेत्ररोग
(ब) नासारोग
(स) कर्णरोग
(द) शिरोरोग
- (24) काश्यपानुसार कोष्ठांग की संख्या है ? (का. शा. 4 शरीर विचय शारीर अध्याय)
(अ) 8
(ब) 10
(स) 13
(द) 15
- (25) 'तारावट्ट' किसका भेद है ?
(अ) मुण्डलोह
(ब) कान्तलोह
(स) तीक्ष्णलोह
(द) मण्डूर
- (26) काश्यपानुसार दुष्प्रजाता रोगों की संख्या होती है ? (का. चि. 3 दुष्प्रजाता चिकित्सा अध्याय)
(अ) 35
(ब) 64
(स) 20
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
- (27) काश्यपानुसार बालकों में वस्ति देने की वय है ? (का. सि. 1 राजपुत्रायां सिद्धि अध्याय)
(अ) 1 मास तक अवस्था में
(ब) जब बालक नीचे चलता फिरता हो तथा अन्न खाता हो।
(स) जन्म से ही वस्ति दे सकते है।
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (28) सुश्रुतानुसार 25 वर्ष से कम आयु में उत्तर वस्ति की मात्रा कितनी होती है ? (सु. चि. 37/102)
(अ) 1 प्रकुंच
(ब) 1 प्रसृत
(स) 1 शुक्ति
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. A	23. B	24. C	25. C	26. B	27. B	28. D
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (29) मूर्च्छा, छर्दि, उर्ध्व निरीक्ष्य – किस ग्रह के लक्षण हैं ? (अ. ह. उ. 3/16)
(अ) स्कंद
(ब) स्कंदापस्मार
(स) नैगमेष
(द) पितृग्रह
- (30) गर्भ में सर्वप्रथम शिर उत्पत्ति किस आचार्य ने मानी है। (सु. शा. 3/30)
(अ) शौनक
(ब) कृतवीर्य
(स) पाराशर
(द) मार्कण्डेय
- (31) सुश्रुतानुसार रक्तज अर्श चिकित्सा है। (सु. चि. 6/16)
(अ) संशमन
(ब) विरेचन
(स) रक्तावसेचन
(द) शृंगबेरकुलत्थोपयोग
- (32) निराग्नि स्वेद का निर्देश किन रोगों में है। (अ. ह. सू. 17/28)
(अ) पित्तावृत वात में
(ब) रक्तावृत वात में
(स) रक्त एवं पित्तावृत वात में
(द) मेद कफावृत वात में
- (33) वात यदि कफ एवं पित्त दोनों से आवृत हो तो सर्वप्रथम किसकी चिकित्सा करना चाहिए है। (च. सू. 28/188)
(अ) वात की
(ब) पित्त की
(स) कफ की
(द) तीनों की एक चिकित्सा करनी चाहिए।
- (34) हृदय, क्लोम कण्ठ और तालु आश्रित हिक्का कौनसा है ? (च. चि. 17/37)
(अ) अन्नजा हिक्का
(ब) यमला हिक्का
(स) व्यपेता हिक्का
(द) क्षुद्रा हिक्का
- (35) 'अतिस्थूलता' का चिकित्सा सिद्धान्त है। (च. सू. 21/20)
(अ) गुरु व संतर्पण
(ब) लघु व संतर्पण
(स) गुरु व अपतर्पण
(द) लघु व अवतर्पण

29. C	30. A	31. A	32. D	33. B	34. D	35. C
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (36) 'शिरो न धारयति' बालक में होने वाले कौनसे रोग का लक्षण है ? (का. सू. 25 वेदना अध्याय)
(अ) अलसक
(ब) छर्दि
(स) तालुकंटक
(द) बालग्रह
- (37) चरकानुसार कर्ण रोगों की संख्या हैं ? (च. सू. 19/5)
(अ) 4
(ब) 18
(स) 25
(द) 28
- (38) 'गोतीर्थक' का सम्बन्ध किससे है। (सु. चि. 8/10)
(अ) अर्श
(ब) भगन्दर
(स) अश्मरी
(द) काण्ड भग्न
- (39) उर्ध्वबाहुशिरः पादो योनिमुखं निरुणद्धि – कौनसा मूढगर्भ है ? (सु. नि. 8/5)
(अ) कीलक
(ब) प्रतिखुर
(स) बीजक
(द) परिघ
- (40) पक्षियों में विष के वेगों संख्या कितनी होती है। (च. चि. 23/21)
(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) 5
- (41) संधि स्थान पर सीवन हेतु कौनसे प्रकार की सूची का प्रयोग किया जाता है ? (सु. सू. 25/23)
(अ) वृतांगुल द्वयम
(ब) त्र्यंगुला त्र्यस्रा
(स) धनुर्वक्रा
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
- (42) क्षिप्र मर्म के बारे में कौनसा कथन सत्य है ? (सु. शा. 6/10 & 31)
(अ) सद्यःप्राणहर एवं 2 अंगुल प्रमाण मर्म
(ब) कालांतर प्राणहर एवं 1 अंगुल प्रमाण मर्म
(स) सद्यःप्राणहर एवं 1 अंगुल प्रमाण मर्म
(द) कालांतर प्राणहर एवं 1/2 अंगुल प्रमाण मर्म

36. A	37. A	38. B	39. A	40. B	41. A	42. D
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (43) नेत्रबुदबुदम् प्रमाण होता है ? (सु. उ. 1/10)
(अ) 2 अंगुल
(ब) 2½ अंगुल
(स) 3 अंगुल
(द) 4 अंगुल
- (44) संक्षोभ और अतिविद्यष्टन – से कौनसा स्रोत्रस् दुष्ट होते है। (च. वि. 5/17)
(अ) मांसवह
(ब) मज्जावह
(स) अस्थिवह
(द) रक्तवह
- (45) स्वर्णमाक्षिक के रासायनिक संगठन में शामिल है ?
(अ) Cu
(ब) Fe
(स) S
(द) उपरोक्त सभी
- (46) प्रवाल चूर्ण का प्रयोग कौनसे मूत्रकृच्छ्र चिकित्सा में होता है। (च. चि. 26/56)
(अ) वातज मूत्रकृच्छ्र
(ब) पित्तज मूत्रकृच्छ्र
(स) कफज मूत्रकृच्छ्र
(द) त्रिदोषज मूत्रकृच्छ्र
- (47) 'अन्तर्मृतगर्भ' का लक्षण है। (सु. नि. 8/12)
(अ) गर्भास्पन्दनम्
(ब) उच्छ्वासपूतित्वं
(स) श्यावपाण्डुता
(द) उपर्युक्त सभी
- (48) *Callicarpa macrophylla* किसका वानस्पतिक नाम हैं ?
(अ) मुस्तक
(ब) पुन्नाग
(स) चिन्वा
(द) प्रियंगु
- (49) Leguminaceae कुल की वनस्पति हैं।
(अ) शमी
(ब) पाटला
(स) सहदेवी
(द) सारिवा

43. B

44. C

45. D

46. C

47. D

48. D

49. A

- (50) 'उपशीर्षक' का वर्णन किस आचार्य ने किया है ? (अ. ह. 23/21)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) वाग्भट्ट
(द) शारंगधर
- (51) वाग्भट्टानुसार पिल्ल रोगों की संख्या हैं ? (अ. ह. 16/44-45)
(अ) 23
(ब) 18
(स) 36
(द) 21
- (52) करणं पुनः स्वाभाविकानां द्रव्याणाभि । (च. वि. 1/23)
(अ) संस्कार
(ब) संहितीभाव
(स) सात्म्यापेक्षः
(द) जीर्णलक्षणापेक्षः
- (53) चरकानुसार कीट के प्रकार होते हैं। (च. चि. 23/140)
(अ) 2
(ब) 4
(स) 5
(द) 8
- (54) सुश्रुतानुसार नेत्र मण्डलों, संधियों ओर पटलों की संख्या क्रमशः कितनी है ? (सु. उ 1/14)
(अ) पंच षट् च षडेव च
(ब) पंच, च षट् षडेव, च
(स) पंच च पंच, षडेव च
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (55) चरकानुसार अलजी और विद्रधि का स्थान कौन सी त्वचा है ? (च. शा. 7/4)
(अ) षष्ठी
(ब) पंचनी
(स) चतुर्थी
(द) तृतीया
- (56) 'अपलाप' कौनसी मर्म है। (सु. शा. 6/7)
(अ) मांसमर्म
(ब) सिरामर्म
(स) स्नायुमर्म
(द) संधिमर्म

50. C	51. B	52. A	53. A	54. A	55. B	56. B
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (57) मधु का निषेध किसमें है ? (का. क. 9 विशेषकल्पाध्याय)
(अ) प्रमेह
(ब) प्रमेहपिडिका
(स) मधुमेह
(द) सन्निपातज ज्वर
- (58) अर्म हैं। (सु. उ. 8/6)
(अ) छेद्य व्याधि
(ब) भेद्य व्याधि
(स) लेख्य व्याधि
(द) वेध्य व्याधि
- (59) स्मृति कारण होते हैं ? (च. शा. 1/149)
(अ) 6
(ब) 7
(स) 8
(द) 9
- (60) कुपथ्य से विकृत, पथ्य से सम रहने वाली अग्नि हैं। (च. वि. 6/12)
(अ) विषमाग्नि
(ब) तीक्ष्णाग्नि
(स) मंदाग्नि
(द) समाग्नि
- (61) 'यकृत' कौन सा गर्भोत्पादक भाव है ? (च. शा. 3/6)
(अ) पितृज
(ब) मातृज
(स) रसज
(द) सत्वज
- (62) गर्भोत्पादक भाव किसके 'स्थिर भाव' किसके होते हैं ? (सु. शा. 3/31)
(अ) पितृज
(ब) मातृज
(स) रसज
(द) सत्वज
- (63) चोट या उपहति पर भारतीय दण्ड संहिता की कौनसी धारा लागू होती है।
(अ) IPC 319
(ब) IPC 320
(स) IPC 316
(द) IPC 197

57. D	58. A	59. C	60. D	61. B	62. A	63. A
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (64) अर्दिताकृति करणं च व्याधे: – किस व्याधि का पूर्वरूप है ? (च. नि. 7/6)
 (अ) उन्माद
 (ब) हनुमोक्ष
 (स) अर्दित
 (द) पक्षाघात
- (65) अष्ठीलावत्ततो जिह्वा भवत्यरसवेदिनी – किसका लक्षण है ? (सु. क. 1/38)
 (अ) अर्दित
 (ब) सविष अन्न
 (स) जलसंत्रास
 (द) अष्ठलिका शूकदोष
- (66) सुश्रुतानुसार 'रकसा' है ? (सु. नि. 5/15)
 (अ) महाकुष्ठ
 (ब) क्षुद्रकुष्ठ
 (स) किलास
 (द) उपरोक्त सभी
- (67) यथोचितकालादर्शनमल्पता वा योनिवेदना च – किसका लक्षण है। (सु. सू. 15/16)
 (अ) असृग्दर
 (ब) नष्टार्तव
 (स) आर्तव वृद्धि
 (द) आर्तव क्षय
- (68) अस्पन्दन किसका लक्षण है। (च. शा. 8/26)
 (अ) वाताभिपन्न गर्भ
 (ब) उपविष्टक
 (स) नागोदर
 (द) लीन गर्भ
- (69) दार्वी सुराह्वां त्रिफलां समुस्तां कषायमुत्क्वाथ्य पिबेत – किसकी चिकित्सा है। (च. चि. 6/54)
 (अ) कुष्ठ
 (ब) प्रमेह
 (स) पाण्डु
 (द) गुल्म
- (70) ग्रीवा में स्नायु की संख्या है ? (सु. शा. 5/37)
 (अ) 36
 (ब) 34
 (स) 70
 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

64. A

65. B

66. B

67. D

68. C

69. B

70. A

10

- (71) रोमराजी भवेत् निम्ना – कौनसी संतान उत्पत्ति का लक्षण है। (सु. शा. 3/32 की उल्हण टीका)
(अ) यमक
(ब) नपुंसक
(स) पुत्र
(द) कन्या
- (72) अथर्वणकृता व्याधि है ? (सु. सू. 24/8)
(अ) आदिबल प्रवृत्त
(ब) जन्मबल प्रवृत्त
(स) दैवबल प्रवृत्त
(द) कालबल प्रवृत्त
- (73) चरकानुसार 'द्वादश प्रासृतिकी निरूह वस्ति' में कषाय की मात्रा कितनी होती है ? (च. सि. 3/30)
(अ) 3 प्रसृत
(ब) 4 प्रसृत
(स) 5 प्रसृत
(द) 6 प्रसृत
- (74) स्मृतिबुद्धिप्रमोहं च जयेच्छीघ्रं (च. चि. 1/पाद 1/134)
(अ) मण्डूकपर्णी
(ब) हरीतकी
(स) शंखपुष्पी
(द) पिप्पली रसायन
- (75) सुस्वादु वृष्यं हृद्यं त्रिदोषनुत् – कौनसा लवण है। (अ. ह. सू. 6/144)
(अ) सैधव
(ब) सौवर्चल
(स) औदभिद्
(द) सामुद्र
- (76) 'सप्तविध' आहार कल्पना का वर्णन किस आचार्य ने किया है ? (अं. सं. सू. 10/4)
(अ) चरक
(ब) सुश्रुत
(स) अष्टांग संग्रह
(द) काश्यप
- (77) आचार्य वृद्ध वाग्भट्ट ने 'सर्वार्थसिद्ध अंजन' का प्रयोग किसमें बतलाया है। (अ. सं. सू. 8/91)
(अ) विषापह
(ब) तिमिर
(स) अभिष्यंद
(द) सर्व नेत्ररोग

71. A	72. C	73. C	74. B	75. A	76. C	77. A
-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

- (78) महर्षि पाराशर के अनुसार 'तित्त एवं कषाय' रस का विपाक होता है। (अं. सं. सू 17/19)
- (अ) मधुर
(ब) अम्ल
(स) कटु
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- (79) अष्टांग संग्रहकार ने उष्ण स्वेद के अतंगर्त कितने स्वेदों का वर्णन किया है ? (अ. सू 26/7)
- (अ) 4
(ब) 13
(स) 7
(द) 8
- (80) The normal oxygen concentration in arterial blood is about -
- (A) 20 ml O₂/100 ml blood (0.2 ml O₂/ml blood)
(B) 30 ml O₂/100 ml blood (0.3 ml O₂/ml blood)
(C) 1.5 ml O₂/100 ml blood (0.015 ml O₂/ml blood)
(D) 16 ml O₂/100 ml blood (0.16 ml O₂/ml blood)

-----X-----X-----

78. A	79. D	80. A				
-------	-------	-------	--	--	--	--